जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

9 नवंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में भूगोल और पर्यावरण विज्ञान में दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स आयोजित

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया मिलिया इस्लामिया ने भूगोल विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग, जामिया के सहयोग से 'भूगोल और पर्यावरण अध्ययन' में 26 अक्टूबर से 8 नवंबर 2023 तक ऑनलाइन मोड में दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया।

कोर्स का उद्घाटन सत्र 26 अक्टूबर, 2023 को आयोजित किया गया था। स्वागत वक्तव्य, यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया के निदेशक, प्रोफेसर अनीसुर रहमान, ने द्वारा दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भूगोल के पूर्व प्रोफेसर एम.एच.कुरैशी; विशिष्ट अतिथि मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एम. इश्तियाक और सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नोएडा के निदेशक प्रो. सी.जे. रावंडेल थे। गणमान्य व्यक्तियों ने जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और सतत विकास के व्यापक संदर्भ में भूगोल और पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र में अंतःविषय अनुसंधान और सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कोर्स की रूपरेखा जामिया के भूगोल विभाग के कोर्स समन्वयक और सहायक प्रोफेसर डॉ. आसिफ द्वारा प्रस्तुत की गई। प्रोफेसर हारून सज्जाद, सत्र अध्यक्ष और जामिया भूगोल विभाग के अध्यक्ष ने अध्यक्षीय टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीं। जामिया के भूगोल विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ग़ज़ल सलाहुद्दीन ने उद्घाटन सत्र का धन्यवाद ज्ञापन किया।

रिफ्रेशर कोर्स में देशभर से 26 संकाय सदस्यों की भागीदारी रही। कोर्स के दौरान कुल 44 सत्र आयोजित किए गए, जिसमें विभिन्न केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (आईएनआई) और विशेष अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान के 37 सत्र शामिल थे। व्याख्यान प्रस्तुतियों के 6 सत्र हुए, जो प्रतिभागियों द्वारा बनाए और वितरित किए गए ताकि भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके। कोर्स की अवधि के दौरान वितरित सामग्री की डिलीवरी और आकलन करने के लिए बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षण आयोजित किया गया था।

रिफ्रेशर कोर्स का समापन सत्र 8 नवंबर, 2023 को आयोजित किया गया। प्रोफेसर अनीसुर रहमान ने मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। सत्र के मुख्य अतिथि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्व निदेशक डॉ. के.जे. रमेश थे। डॉ. रमेश ने अपने समापन भाषण में जलवायु स्थिरता पर अनुसंधान की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ जियोलॉजी, देहरादून के निदेशक डॉ. कलाचंद सैन विशिष्ट अतिथि थे। अपने संबोधन में डॉ. सैन ने जोखिम प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण को समय की मांग बताया। जामिया के भूगोल विभाग के कोर्स समन्वयक और सहायक प्रोफेसर डॉ. आसिफ ने कोर्स की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिफ्रेशर कोर्स पर विशेष टिप्पणी जामिया के पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष (प्रोफेसर सिराजुद्दीन अहमद द्वारा दी गई। अध्यक्षीय टिप्पणियाँ सत्र अध्यक्ष, जामिया के भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हारून सज्जाद द्वारा प्रस्तुत की गईं। सत्र का समापन जामिया के पर्यावरण विज्ञान विभाग के कोर्स समन्वयक और सहायक प्रोफेसर डॉ. साजिद अली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया